पाठ 4. सबकी माँ – मदर टेरेसा

पाठ का उद्देश्य
'मदर टेरेसा' गरीब और बेसहारा लोगों का सहारा बन भारत आईं और पूरे भारत की करुणामयी माँ बनकर यहीं रह गईं। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को मदर टेरेसा के जीवन और व्यक्तित्व से परिचित करवाते हुए माँ के महत्व को प्रकट करना है।

पाठ का सारांश
शमिता और मिष्ठी दो बहनें हैं। वे 'मदर्स डे' पर अपनी माँ को देने के लिए उपहार सजा रही थीं। तभी उनकी माँ आवाज़ लगाकर कहती हैं कि वे उन्हें आज सबसे बड़ी माँ (मदर टेरेसा) के लिए प्रार्थना करने गिरजाघर ले जा रही हैं। शमिता और मिष्ठी माँ से मदर टेरेसा के बारे में जानने के लिए व्याकुल हो उठती हैं। माँ उन्हें मदर टेरेसा के बारे में विस्तार में बताने लगती हैं – मदर टेरेसा का असली नाम एग्नेस गोनक्शा बोजाक्शिहु था। उनका जन्म यूगोस्लाविया में 27 अगस्त 1910 को हुआ था। 18 वर्ष की आयु में अपनी पढ़ाई समाप्त करने के बाद वे 'नन' बन गईं। मदर टेरेसा सन् 1929 में भारत आईं और कोलकाता में गरीब, बेसहारा लोगों की सेवा में जुट गईं। असहाय लोगों की सेवा करना ही उन्होंने अपना कर्तव्य और लक्ष्य बना लिया था। इस तरह एक माँ की भाँति दिन-रात लोगों की सेवा करते-करते वे सबकी माँ कहलाने लगीं। मदर टेरेसा के बारे में जानकर दोनों बहनों ने माँ को उपहार देते हुए कहा कि माँ हमारे लिए तो आप भी हमारी मदर टेरेसा हो। बच्चों के मुँह से यह बात सुनकर माँ की आँखें डबडबा आईं।

अध्यापन संकेत
पाठ पढ़ाने से पूर्व पाठ की पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से 'माँ' से संबंधित चर्चा करें। उनसे उनकी माँ के बारे में पूछें। जैसे कि उनकी माँ उनकी देखभाल कैसे करती हैं। वे उनके लिए क्या-क्या पकाती हैं, क्या वे भी अपनी माँ की देखभाल करते हैं आदि-आदि। चर्चा करते हुए बच्चों का रुझान पाठ की ओर दिलाएँ। फिर उन्हें बताएँ कि आज हम मदर टेरेसा के बारे में जानेंगे।

पाठ का स्वयं वाचन कीजिए। बच्चों को भी मौन वाचन करने के लिए प्रेरित कीजिए।

बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए –
- 'मदर्स डे' किस दिन होता है?
- उन्हें बताएँ कि दूसरों की सेवा-सहायता करना अच्छी बात होती है।
- अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए एवं उनका कहना मानना चाहिए।
- पाठ में उभारे गए जीवन-मूल्यों की चर्चा कीजिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।